RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : रविवार 09 जून 2024 वर्ष 06 अंक 52 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

महाराष्ट्र में 'खेल' की आशंका?

Page - 4

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

देवेंद्र फडणवीस की चुनावी नतीजे के बाद पार्टी नेताओं को सलाह...

महाराष्ट्र में बीजेपी की विधायक दल की बैठक डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में आयोजित की गई. लोकसभा चुनाव में मिली हार की वजहों पर मंथन किया गया. फडणवीस ने कहा, ''मुझे सभी के चेहरे पर खुशी दिख रही है. मोदी जी का डंका दुनिया भर में बज रहा है और एनडीए ने प्रधानमंत्री के लिए मोदी जी के नाम पर कल हामी भरी.''

फडणवीस ने कहा, ''विधानसभा चुनाव के लिए कैसी तैयारी हो इस बारे में चर्चा की. सफलता के कई पिता होते हैं विफलता के नहीं. कुछ लोग जितने की नेरेटिव बनाने की कोशिश कर रहे थे लेकिन जो लोग जितने की बात कर रहे हैं उन्हें तीन चुनाव में जितनी सीट मिली उतनी सीट हमें सिर्फ एक चुनाव में मिली. देवेंद्र फडणवीस भागने वाला नही लड़ने वाला है. छत्रपती शिवाजी महाराज हमारी प्रेरणा है. मैं अमित शाह से मिला उन्होंने भी मुझे कहा कि पहले आज काम चलने दो फिर राज्य का ब्लू प्रिंट तैयार करते हैं.''

हम विपक्ष के नरेटिव को रोक नहीं पाए- फडणवीस

डिप्टी सीएम फडणवीस ने कहा, ''मैं काम कर रहा हूं और करूंगा. हम चार दलों से लड़ रहे थे. उन्होंने झूठा नरेटिव बनाया. हम उनके संविधान बदलने के नरेटिव को नहीं रोक सके. लोग कहते हैं कि उद्धव ठाकरे को सहानुभूति थी तो उन्हें कोंकण में क्यों नहीं मिली, कोंकण में उद्धव ठाकरे को एक भी जगह नहीं मिली. पालघर, रत्नागिरी, ठाणे जिले में उन्हें एक भी सीट नही मिली. उन्हें मुंबई में किसकी वजह से सीट मिली.''

झूठा नरेटिव भी हमारे खिलाफ था- फडणवीस

फडणवीस ने कहा, ''इन्हें मराठी व्यक्ति ने मतदान नहीं दिया, आप मुंबई के आंकड़े देखिये आपको समझ आएगा. उन्हें किसी विशिष्ट समाज की वजह से मतदान मिले. किसी भी क्षण एक मिनट के लिए शांत बैठने वाला नहीं हूं. महाराष्ट्र में एमवीए और हमारे बीच मतों का बहुत ही कम अंतर है. हम चुनाव में सिर्फ तीन पक्ष से नहीं,बल्कि चौथे पक्ष से लड़ रहे थे और वो था झूठा नरेटिव. इसका इफेक्ट हमें चौथे चरण में पता चला. यह नरेटिव सिर्फ एक चुनाव में चलता है.''

एक-दूसरे के सिर न फोड़ें- फडणवीस

डिप्टी सीएम ने कहा, ''पीएम मोदी जब जब जीतकर आए हैं. सबसे पहले उहोंने संविधान की पूजा की है. हम कई जगहें सिर्फ एक से तीन फीसदी से हारे हैं. हम अपने वोटों की वजह से नहीं, बल्कि किसी के वोटों की वजह से हारे हैं. कभी कभी हार होती है, लेकिन हार होने पर एक दूसरे का सिर न फोड़ें. हमारे महायुति में समन्वय का अभाव रहा. यह मैं मानता हूं. नरेटिव तैयार करने का काम न हम करेंगे और न ही हमारे सहयोगी.''

'एक-दूसरे के सिर न फोड़ें, हार और जीत तो...'

फडणवीस ने पार्टी सहयोगियों को संभलकर बात करने की दी सलाह

फडणवीस ने कहा, ''एकनाथ शिंदे को भी मैंने बोला है. अपने प्रवक्ताओं को भी हमने बोला है कि वो जो भी बोले संभालकर बोलें. मैंने अजीत पवार को भी बोला है कि अलग अलग विश्लेषण करने की जरूरत नहीं है, हम सब साथ मिलकर एक ही विश्लेषण करते हैं. विधानसभा चुनाव में लोकसभा चुनाव के परिणामों को बदलना मुश्किल नहीं है.

17 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई: गोरेगांव के सिद्धार्थ नगर में फ्लैट खरीदने के नाम पर छह लोगों से 17.68 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में गोरेगांव पुलिस ने चार डेवलपर्स सहित सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अप्रैल 2013 में, कांदिवली के अशोक नगर निवासी शिकायतकर्ता ईश्वरलाल वंजारा (61) को कथित तौर पर एक दलाल ने गोरेगांव में एक परियोजना में निवेश से लाभ प्राप्त करने के लिए बरगलाया था। उन्हें बताया गया कि 2017 में बिल्डिंग का निर्माण पूरा कर फ्लैट का कब्जा दे दिया जायेगा. उन्होंने फ्लैट के लिए दो करोड़ नौ लाख रुपये चुकाए. उस फ्लैट की रजिस्ट्री भी हो गयी थी. उस पर उन्होंने करीब 11 लाख रुपये खर्च किये थे. उनकी तरह चेतन गांधी ने इस प्रोजेक्ट में फ्लैट के लिए 3 करोड़ 46 लाख रुपये, जयेश चौधरी ने 4 करोड़ 16 लाख रुपये, राकेश शाह ने 2 करोड़ 81 लाख रुपये, विशाल बंधे ने 3 करोड़ 33 लाख रुपये और जितेंद्र जैन ने 1 करोड़ 71 लाख रुपये का भुगतान किया. था लेकिन अभी तक उन्हें कब्जा नहीं मिला है.

'जरूरत पड़ने पर लड़ेंगे विधानसभा चुनाव'

मराठा आरक्षण पर जरांगे का अनिश्चितकालीन अनशन फिर शुरू...

मुंबई : कार्यकर्ता मनोज जरांगे पिछले एक साल से मराठा आरक्षण के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद जरांगे ने एक बार फिर महाराष्ट्र सरकार को घेरा। उन्होंने राज्य सरकार को मराठा समुदाय के लिए सरकारी नौकरियां और शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश में आरक्षण की मांग को लेकर अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखने की धमकी दी है। उन्होंने यह भी बताया कि वह आगामी विधानसभा चुनाव भी लड़ सकते हैं। जरांगे ने शनिवार को फिर से अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया।

राज्य सरकार को जरांगे की चेतावनी

राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए जरांगे ने कहा कि उन्हें मराठा आरक्षण को लेकर फिर से प्रदर्शन शुरू करने के लिए किसी की अनुमति की जरूरत नहीं है। इसी के साथ उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह आगामी विधानसभा चुनाव में भी उम्मीदवार के तौर पर चुनावी मैदान में उतर सकते हैं।

जरांगे ने जालना के अंतरवाली सराटी से सुबह साढ़े 10 बजे अपने आंदोलन का नया दौर शुरू किया। हालांकि, इसके लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने अनुमति देने से इनकार कर दिया था। बता दें कि मनोज जरांगे 2023 के अगस्त से नवंबर तक जालना जिले के अंतरवाली सराटी में अनशन पर बैठे थे। सरकार द्वारा मराठा समुदाय को आरक्षण देने का वादा करने के बाद उन्होंने आंदोलन स्थगित कर दिया था।

इस साल के अंत में होगा महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव

महाराष्ट्र में कुंबी समुदाय को ओबीसी श्रेणी में रखा गया है और मनोज जरांगे मराठा समुदाय के लिए कुंबी प्रमाणपत्र जारी करने की मांग कर रहे हैं, जिससे कि उन्हें आरक्षण का लाभ मिल सके। उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस से मराठा आरक्षण मुद्दे को समाधान करने की मांग की थी। बता दें कि महाराष्ट्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाला है। जरांगे ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो आगामी राज्य चुनाव में महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए जाएंगे।

केईएम अस्पताल में तंबाकू समाप्ति क्लिनिक को अद्यतन किया जाएगा

मुंबई: राजे एडवर्ड स्मारक यानी केईएम अस्पताल में 20 साल से अधिक पुराने 'तंबाकू बैंड' क्लिनिक को अपडेट करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए अस्पताल प्रशासन ने बजाज इलेक्ट्रिकल फाउंडेशन के साथ एमओयू किया है। तम्बाकू पीने की आदत कई अन्य व्यसनों को जन्म देती है। यह कई बीमारियों को न्यौता देता है. यह लत किशोरों और युवा पीढ़ी में भी पाई जाती है। केईएम अस्पताल के मनोचिकित्सा विभाग में 1991 से 'ड्रग एडिक्शन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' चल रहा है। साथ ही, 20 वर्षों से हर बुधवार सुबह 'टोबैको बैंड क्लिनिक' का संचालन किया जा रहा है। आदी रोगियों को धूम्रपान छोड़ने में मदद करने के लिए निकोटीन प्रतिस्थापन, फामाकोथेरेपी (वैरेनिकलाइन / बुप्रोपियन), परामर्श और व्यवहार संशोधन सेवाएं जैसे हस्तक्षेप लागू किए जाते हैं।

28 करोड़ नागरिक तम्बाकू के आदी हैं

एक सर्वेक्षण के अनुसार, 2016-17 में भारत में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के कुल 28.7 करोड़ नागरिक तंबाकू उपयोगकर्ता हैं। इसी सर्वेक्षण के अनुसार, 5 में से 1 वयस्क (यानी लगभग 20 करोड़) धुआं रहित तंबाकू का उपयोग करता है। जबकि 10 में से 1 वयस्क (10 करोड़ से अधिक) तंबाकू का सेवन करता है।

केईएम अस्पताल की इस पहल में योगदान देने के लिए बजाज इलेक्ट्रिकल फाउंडेशन ने पहल की है। बजाज इलेक्ट्रिकल फाउंडेशन (बीईएफ) का सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड (सीएसआर फंड) केईएम अस्पताल में 'तंबाकू बैंड क्लिनिक' को अपडेट करेगा। यह पहल रोगी पंजीकरण, मुफ्त दवा और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों में मदद करेगी। अस्पताल के संस्थापक डॉ. संगीता रावत और बजाज फाउंडेशन की विशेष कार्यकारी अधिकारी मधुरा तालेगांवकर ने इस संयुक्त उद्यम के लिए एक साल के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इससे 'टोबैको बैंड क्लिनिक' के माध्यम से मरीजों को अधिक आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना संभव हो सकेगा।

संपादकीय...

छोटा हिमाचल, सबक बड़े-4

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

हिमाचल के समग्र राजनीतिक परिदृश्य को चुनाव परिणामों के बाद तय करना होगा कि जनता ने सुना क्या और सुनाया क्या। जनता ने अपने अधिकारों, सियासत के नारों, सरकार के वादों और केंद्र पर निर्भर पुरस्कारों को सुना है। इसी जनता ने अपने नुमाइंदों के मार्फत हिमाचल व केंद्र में आने वाली सरकार को बहुत कुछ सुनाया भी है। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से पांचवीं बार अनुराग ठाकुर की ताजपोशी के आगे बाकी सांसद फीके साबित हुए हैं। चाहे शांता कुमार हों या किशन कपूर, इनके दौर से कहीं आगे अनुराग ठाकुर निकले हैं तो समूचे प्रदेश के लिए सोचने वाला एक अदद केंद्रीय मंत्री चाहिए। बेशक अनुराग ठाकुर का पद और कद हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के लिए बहुत कुछ कर गया, लेकिन उन्हें पूरे प्रदेश का नेता बनना है, तो रेल-हवाई विस्तार के अलावा पर्यटन, खेल पर्यटन, धार्मिक पर्यटन व औद्योगिक विस्तार की परियोजनाओं को अपने संसदीय क्षेत्र से बाहर भी देखना होगा। जरूरी नहीं कि रेल विस्तार करते हुए केवल हमीरपुर ट्रेन पर चढ़ा जाए। आसानी से अगर अंब-अंदौरा तक पहुंची ट्रेन को नब्बे डिग्री उत्तर की ओर बढ़ाया जाए तो केंद्रीय हिमाचल में रेल विस्तार ज्वालामुखी के मार्फत, कांगड़ा, हमीरपुर, बिलासपुर व मंडी तक पहुंचेगा। इसी तरह रानीताल से मुबारकपुर तक प्रस्तावित फोरलेन परियोजना के ताले खोलने पड़ेंगे। आश्चर्य यह कि केंद्रीय मंत्री रहते हुए भी वह प्रदेश के खेल ढांचे तथा रेडियो-टीवी विस्तार में वांछित नहीं कर पाए। नई सरकार की संभावना में, भाजपा की सत्ता में उनका स्थान निस्संदेह तरक्की पर रहेगा, लेकिन प्रदेश की निगाह में उनका रुतबा इस पारी में व्यापकता देखना चाहता है। यह चुनौती बाकी सांसदों के लिए भी रहेगी कि वे अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों में कुछ न कुछ करके दिखाएं। अगर चारों सांसद प्रदेश के समग्र विकास में सोचें, विशेष आर्थिक या रेलवे पैकेज की मांग करें और पंजाब पुनर्गठन की बंद फाइलों से हिमाचल के हितों को मुक्त कराएं, तो सौ फीसदी परिणाम देकर भाजपा को जितवाने के मायने भी सफल होंगे। हमें यह नहीं भूलना चाहिए और यह भाजपा को याद रखना होगा कि कांगड़ा ने आनंद शर्मा जैसे कहवार, अनुभवी तथा अपने समय के सफल केंद्रीय मंत्री के बजाय नए नवेले डा. राजीव भारद्वाज पर मोहर लगाई है।

उन्हें शांता कुमार की राजनीतिक विरासत मिल रही है, तो पूर्व केंद्रीय मंत्री की ड्रीम परियोजनाओं को धरातल पर उतारना होगा। भले ही हिमाचल ने कंगना रणोत को हल्के से लिया, लेकिन जीतने के बाद वह अपनी प्राथमिकताएं गिन रही हैं। वह स्वास्थ्य, शिक्षा के अलावा कनेक्टिविटी पर जोर दे रही हैं। मंडी व कुल्लू जैसे शहरों को भविष्य की स्मार्ट सिटी बनाना चाहती हैं, तो उन्हें अपनी सरकार की प्रथम घोषणाओं में देश की स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को पुनर्जीवित करवाते हुए यह आदेश पारित करवाना होगा कि हर संसदीय क्षेत्र में कम से कम एक स्मार्ट सिटी बनेगी। इसी के साथ कांगड़ा व शिमला के सांसदों को धर्मशाला व शिमला की स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का कार्यकाल बढ़ाते हुए इनके विभिन्न लक्ष्यों के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए, अपनी सरकार को विवश करना होगा। पिछले सवा साल में हमने कांग्रेस बनाम भाजपा के खेल की परिणति चुनावों में देखी है। खूब लड़े होंगे या परिणामों की फेहरिस्त में अपने-अपने विमर्श, तर्क और तंज लेकर एक दूसरे को कोस रहे होंगे, लेकिन याद रखना होगा कि हिमाचल एक संसाधन विहीन राज्य है जिसे आत्मनिर्भरता का आत्मविश्वास दिलाने के लिए सांसदों, विधायकों और राज्य सरकार को एक साथ प्रयास करना होगा।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

'फिर एक बार मोदी सरकार...एक अकेला सब पर भारी !'

उद्धव ठाकरे के घर के बाहर एकनाथ शिंदे गुट ने लगाए पोस्टर

मुंबई: लोकसभा चुनाव 2024 में जीत के बाद नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। वह रविवार यानी 9 जून को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। इस शपथ ग्रहण को लेकर एनडीए गठबंधन में शामिल नेता जगह-जगह पोस्टर लगवा रहे हैं। शिवसेना-यूबीटी के नेता उद्धव ठाकरे के घर मातोश्री से सटे हाईवे पर भी पोस्टर लगाया गया है। इन पोस्टरों में लिखा, 'फिर एक बार मोदी सरकार, राजतिलक की करो तैयारी... एक अकेला सब पर भारी !'

किसने लगाया है पोस्टर ?

बताया जा रहा है कि पोस्टर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी की ओर से लगाया गया है। जानकारी के मुताबिक, शिंदे गुट के विभाग प्रमुख कुणाल सरमलकर ने मातोश्री के बाहर ये पोस्टर लगाया है। दरअसल कुछ दिन पहले मातोश्री के बाहर बीजेपी नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री और नव निर्वाचित सांसद नारायण राणे का भी पोस्टर लगाया गया था। पोस्टर में उन्हें कोंकण का किंग बताया गया था।

महाराष्ट्र में किसे कितनी सीट ?

शिवसेना ने महायुति के साथ मिलकर पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ा। महायुति को राज्य में 17 सीटों पर जीत मिली, जबकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी), शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी और कांग्रेस के गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को 31 सीटें प्राप्त हुई।

शिंदे ने सौंपा समर्थन पत्र

शिंदे ने एनडीए को सरकार बनाने के लिए अपना समर्थन पत्र भी सौंपा है। दरअसल महाराष्ट्र में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में दिल्ली से लेकर मुंबई तक बैठकों का दौर जारी है। चुनावी नतीजों के बाद हर एक राजनीति पार्टी आगे की रणनीति पर काम कर रही है।

महाराष्ट्र में एनडीए को नहीं मिली मनमाफिक जीत

लोकसभा में महाराष्ट्र में अच्छे प्रदर्शन के बाद कांग्रेस में काफी उत्साह है। वहीं एनडीए को अनुमान के मुताबिक जीत नहीं मिली है। सभी राजनीतिक पार्टियां विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन का दावा कर रही है।

मराठवाड़ा में बारिश-वज्रपात के कारण एक हफ्ते में सात की मौत

मुंबई: बारिश संबंधी घटनाओं के कारण अबतक मराठवाड़ा में आठ लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा 1 जून से 7 जून तक का ही है। भारत के कई हिस्सों में पूर्व मानसून आने से मौसम में भारी बदलाव आया है। कई हिस्सों में बारिश हुई है, तो कई जगहों पर बाढ़ भी आई है। वहीं कई क्षेत्र ऐसे भी हैं, जहां बिजली भी गिरी है। राजस्व विभाग के आंकड़ों के अनुसार सिर्फ 1 जून से 7 जनू के मध्यह ही 8 लोगों की जान गई। इसमें से 6 लाग तो बिजली गिरने के कारण मरे हैं।

एक व्यक्ति की बाढ़ में बहने के कारण मौत हुई। तीन अन्य लोग लातूर में बिजली गिरने के कारण मारे गए। झालना, धाराशिव और नांदेड में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। एक महिला बारिश में बह गई, वहीं 70 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति गौशाला ढ़ह जाने से मार गया। यही नहीं इसके अलावा इस क्षेत्र में लगभग 130 लोगों ने अपनी जान गवांई। राजस्व विभाग की रिपोर्ट की मानें तो झालना, बीड परभणी और हिंगोली जिलों के 6 राजस्व क्षेत्रों में 1 जून से अधिक बारिश हुई।

मुंबई: अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान पथराव मामले में 57 लोग हिरासत में, 200 से अधिक पर मामला दर्ज

मुंबई: मुंबई के पवई इलाके में बृहन्मुंबई नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान पथराव की घटना के सिलसिले में 200 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और 57 लोगों को हिरासत में लिया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

टीम में इतने लोग हुए थे घायल

जय भीम नगर झुग्गी बस्ती में गुरुवार को बृहन्मुंबई नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान पथराव में कम से कम 15 पुलिसकर्मी, निगम के पांच इंजीनियर और मजदूर घायल हो गए थे। अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस और बृहन्मुंबई नगर निगम के अधिकारियों पर पथराव करने के सिलसिले में 200 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उनमें से 57 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

मामले में कार्रवाई करने का निर्देश

अधिकारी ने कहा कि इन सभी पर सरकारी कर्मचारियों को उनके कर्तव्य निर्वहन में बाधा डालने और दंगा करने का आरोप है। निगम ने पहले बताया था कि पवईगांव और मौजे तीरंदाज गांव में एक भूखंड पर अस्थायी झोपड़ियां बनाई गई थीं और राज्य मानवाधिकार आयोग ने नगर निकाय को इस मामले में कार्रवाई करने का निर्देश दिया था।

लगभग 400 झोपड़ियां बनाई गई हैं

एक अधिकारी के मुताबिक, नगर निगम का अतिक्रमण विरोधी दल वहां कथित अवैध निमार्णों को हटाने के लिए गया था और साथ में सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों की एक टीम भी थी। लेकिन निवासियों ने यह कहते हुए विरोध शुरू कर दिया कि वे पिछले 25 सालों से वहां रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक भूखंड पर लगभग 400 झोपड़ियां बनाई गई थीं। पथराव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी प्रसारित हुआ था, जिसमें पुरुष और महिलाएं पुलिस और नगर निगम के कर्मचारियों पर पथराव करते हुए नजर आ रहे हैं।

ठाणे जिले में पानी की कमी की संभावना

ठाणे: ठाणे जिले को पानी की आपूर्ति करने वाले बारवी बांध और आंध्रा बांध में जल भंडारण धीरे-धीरे कम हो रहा है और वर्तमान में बारवी बांध में केवल 27.43 प्रतिशत और आंध्रा बांध में 29.94 प्रतिशत पानी बचा है। पिछले साल की तुलना में जल भंडारण करीब तीन फीसदी कम है. जलदाय विभाग ने जानकारी दी है कि 15 जुलाई तक इन दोनों बांधों में पानी का भंडारण पर्याप्त रहेगा. इसके बावजूद अभी तक बारिश का कोई संकेत नहीं मिलने से संभावना है कि जल भंडारण की योजना बनाने के लिए पूरे जिले में पानी की कुछ कटौती लागू की जायेगी.

ठाणे जिले में शहरी बस्तियों के साथ-साथ औद्योगिक संपदाओं को मुरबाड तालुका में एमआईडीसी के बारवी बांध और पुणे जिले में टाटा कंपनी के आंध्र बांध से पानी की आपूर्ति की जाती है। इसमें से बारवी बांध की कुल जल स्तर क्षमता 338.84 मिलियन है। आंध्रा बांध की कुल जल स्तर क्षमता 339.14 मिलियन है। इन दोनों बांधों का जलस्तर फिलहाल कम होने लगा है. वर्तमान में बारवी बांध में कुल जल भंडारण का केवल 27.43 प्रतिशत ही उपलब्ध है, जो 92.95 मिलियन मैश है। आंध्रा बांध में वर्तमान में 101.55 मिलियन यानी 29.94 प्रतिशत जल भंडारण उपलब्ध है।

पिछले साल 7 जून को बारवी बांध में 29.70 फीसदी और आंध्रा बांध में 32.47 फीसदी जल संग्रहण था. पिछले साल की तुलना में इन दोनों बांधों का जल भंडारण करीब तीन फीसदी कम हो गया है. जिला प्रशासन के साथ-साथ जलदाय विभाग, सिंचाई विभाग जिले के प्रमुख बांधों के जल भंडारण की समीक्षा कर रहे हैं. इसी प्रकार, जिला प्रशासन ने जिले के प्रमुख बांधों में जल भंडारण की समीक्षा की है और जल भंडारण डेटा की घोषणा की है. हालाँकि जिले को अधिक पानी की आपूर्ति के लिए कालू, शाई, कुशीवली बांध प्रस्तावित हैं, लेकिन इन बांधों के निर्माण के संबंध में प्रशासन और जन प्रतिनिधियों की ओर से समर्थन का कोई सबूत नहीं है। इससे जिले को पानी की आपूर्ति करने वाले बारवी और आंध्रा बांधों का जलस्तर घटने पर पूरे जिले पर पानी की कमी की तलवार लटक जायेगी.

पाटिल के बयान ने लोकसभा चुनाव में नकारात्मक प्रभाव डाला - अजित पवार

मुंबई: महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने हाल ही में राज्य के भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के मंत्री चंद्रकांत पाटिल की शरद पवार पर की गई टिप्पणी को लेकर अपनी नाखुशी जाहिर की है. अजित पवार का कहना है कि पाटिल के बयान ने लोकसभा चुनाव में नकारात्मक प्रभाव डाला है. पाटिल की यह टिप्पणी बारामती में शरद पवार की राजनीतिक पकड़ को लेकर थी, जिसके चलते चुनावी नतीजों पर असर पड़ा. अजित पवार की पत्नी बारामती संसदीय क्षेत्र से सुप्रिया सुले से डेढ़ लाख से अधिक मतों के अंतर से हार गईं.

चंद्रकांत पाटिल की विवादित टिप्पणी

आपको बता दें कि चंद्रकांत पाटिल ने बारामती में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए शरद पवार के खिलाफ अपनी मंशा स्पष्ट कर दी थी. उन्होंने एनसीपी के शीर्ष नेता पर बीजेपी-शिवसेना गठबंधन के 161 सीटें जीतने के बावजूद भी शिवसेना को अपने साथ लाकर 2019 के विधानसभा चुनाव के जनादेश की उपेक्षा करने का आरोप लगाया था. पाटिल ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा था, ''मैं और मेरी पार्टी के कार्यकर्ता चाहते हैं कि बारामती में शरद पवार हार जाएं और हमारे लिए इतना ही काफी है.'' वहीं अजित पवार ने पाटिल के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था, ''शरद पवार बारामती लोकसभा सीट पर प्रत्याशी नहीं हैं. यह पाटिल की ओर से दिया गया गलत बयान है. उनके द्वारा यह बयान देने के बाद हमने उनसे बारामती में चुनाव नहीं करने को कहा है.'' उन्होंने यह भी कहा कि पाटिल का बयान लोगों को पसंद नहीं आया और इसने चुनावी परिणामों पर नकारात्मक प्रभाव डाला. इसके साथ ही अजित पवार के इस नए बयान को उनकी चुनावी हार का जिम्मा पाटिल के बयान से पैदा हुए नकारात्मक प्रभाव पर डालने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है. यहां यह उल्लेखनीय है कि बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए गुट केंद्र में सरकार बनाने के लिए लगातार बैठक कर रहा है और इसी बीच पवार के इस बयान को लेकर कयासबाजी शुरू हो गई है. इस बयानबाजी के बीच राजनीतिक समीकरण भी बदलते नजर आ रहे हैं. शरद पवार का बारामती में प्रभाव किसी से छिपा नहीं है, और उनकी राजनीति का बड़ा हिस्सा इस क्षेत्र पर केंद्रित है.

263 करोड़ रुपये की इनकम टैक्स चोरी, जांच में पता चला संपत्ति के दस्तावेज फर्जी

मुंबई: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 263 करोड़ रुपये की आयकर चोरी के मामले में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के पति पुरुषोत्तम चव्हाण को गिरफ्तार किया है. चव्हाण के घर में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान मिले संपत्ति के दस्तावेज फर्जी पाए गए हैं. ईडी जल्द ही इसकी जानकारी मुंबई पुलिस को देगी. आरोप है कि चव्हाण ने इन फर्जी दस्तावेजों के जरिए कई लोगों को सरकारी आरक्षण से सस्ती संपत्ति दिलाने का लालच देकर पैसे लिए. बैंक रजिस्ट्रार कार्यालय में इन दस्तावेजों की जांच से इनके फर्जी होने का खुलासा हुआ है।

इस मामले में पूर्व वरिष्ठ कर सहायक तानाजी मंडल अधिकारी, उनके साथी भूषण पाटिल, राजेश शेट्टी, राजेश बटरेजा और चव्हाण को गिरफ्तार किया गया था। अतिरिक्त महानिदेशक (सतर्कता)-4 सीबीडीटी ने वित्तीय वर्ष 2007-08 और 2008-09 के लिए फर्जी रिटर्न जारी करने के संबंध में एक लिखित शिकायत दर्ज की थी। उस संबंध में दिल्ली सीबीआई ने मामला दर्ज किया था. ईडी द्वारा की गई जांच के मुताबिक, 15 नवंबर 2019 से 4 नवंबर 2020 के बीच अधिकारियों ने 12 फर्जी टीडीएस रिटर्न के जरिए कुल 263 करोड़ 95 लाख 31 हजार 870 रुपये की हेराफेरी की. यह रकम भूषण पाटिल के स्वामित्व वाली कंपनी के बैंक खाते में जमा की गई थी। यह राशि भूषण पाटिल और अन्य संबंधित व्यक्तियों के बैंक खातों के साथ-साथ फर्जी कंपनियों के बैंक खातों में भी स्थानांतरित की गई। आरोपी बटरेजा, जिसे पहले गिरफ्तार किया गया था, ने आरोपी को राशि को इधर-उधर करने में मदद की।

ईडी की जांच से पता चला कि राजेश बटरेजा और पुरुषोत्तम चव्हाण नियमित संपर्क में थे और हवाला लेनदेन और अपराध से प्राप्त आय के दुरुपयोग से संबंधित एक-दूसरे को संदेश भेजते थे। ईडी ने 19 मई को चव्हाण के घर पर सर्च ऑपरेशन चलाया था. इस अभियान में संपत्तियों के दस्तावेज मिले. इन दस्तावेजों में 10 से 12 संपत्तियां अस्तित्वहीन पाई गई हैं। यह पाया गया है कि संबंधित दस्तावेज फर्जी हैं और उन पर उप सचिव स्तर के एक अधिकारी के जाली हस्ताक्षर हैं।

अगले 5 दिनों के लिए कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी - मौसम विभाग

मुंबई: मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 5 दिनों के दौरान महाराष्ट्र, तटीय और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है. अगले 2 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में कुछ स्थानों पर बारिश/तूफान जारी रहने की संभावना है. अगले 5 दिनों के दौरान पूर्वी भारत, उत्तर प्रदेश और पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में गर्म हवाएं चलने की संभावना है.

भारत मौसम विज्ञान विभाग यानी कि क्टऊने कहा है कि अगले 3-4 दिनों के दौरान मध्य अरब सागर के कुछ और भागों, महाराष्ट्र (मुंबई सहित) के कुछ और भागों, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश के बाकी हिस्सों, दक्षिण छत्तीसगढ़ और दक्षिण ओडिशा के कुछ भागों, पश्चिम-मध्य के बाकी भागों और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ और भागों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं.

पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है. उसके बाद कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होगा. रविवार तक उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होने की संभावना नहीं है. उसके बाद 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी. देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होने की संभावना नहीं है.

08-11 तारीख के दौरान पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश, झारखंड के अलग-अलग इलाकों में, 09 और 10 तारीख को बिहार में, 09-11 जून के दौरान ओडिशा, पंजाब, हरियाणा में लू चलने की संभावना है. 08-11 जून के दौरान क्षेत्र के कुछ हिस्सों में लू से लेकर भीषण लू चलने की संभावना है. 08 तारीख को बिहार, पश्चिम बंगाल के गंगा के तटीय इलाकों, ओडिशा, झारखंड के अलग-अलग इलाकों में गर्म और नम मौसम रहने की संभावना है.

उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश और बिहार के निचले हिस्से में एक चक्रवाती सकुर्लेशन बना हुआ है. इनके प्रभाव में अगले 4-5 दिनों के दौरान बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदान, ओडिशा, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ में गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ छिटपुट से लेकर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है.

पनवेल मार्ग पर सबसे लंबी सुरंग वेवरले की खुदाई पूरी... कर्जत के लिए वैकल्पिक रेल मार्ग में तेजी

मुंबई: पनवेल-कर्जत नई रेलवे लाइन पर सबसे लंबी वावरले सुरंग की खुदाई पूरी हो गई है। वर्तमान में, ठाणे-दिवा के बीच पारसिक सुरंग मुंबई महानगर में सबसे लंबी है। मुंबई में ट्रैफिक जाम के कारण यात्रियों के लिए यात्रा करना असुविधाजनक हो गया है। इसलिए मुंबई से कर्जत तक एक और रेलवे लाइन बनाने का काम चल रहा है. इस रास्ते से पनवेल से सीधे कर्जत पहुंचा जा सकेगा। कर्जत भी मुंबई-पुणे को जोड़ने वाली जगह है। इसलिए कर्जत में जनसंख्या बढ़ रही है। इसलिए, कर्जत से तेज स्थानीय यात्रा के लिए पनवेल-कर्जत दोहरी रेलवे लाइन पर काम किया जा रहा है। अगले दो साल में हार्बर लाइन पर सीएसएमटी स्टेशन से पनवेल होते हुए सीधे कर्जत पहुंचना संभव हो जाएगा। मुंबई रेलवे डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के मुंबई शहरी परिवहन प्रोजेक्ट 3 के तहत पनवेल-कर्जत डबल रेल पर काम पूरी गति से चल रहा है। रेलवे लाइन में 3,164 मीटर की लंबाई वाली तीन सुरंगें नधाल, किरवली और वावरले शामिल हैं।

महिला ने रची साजिश : ससुर की 300 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पने के लिए ससुर की हत्या, हिट एंड रन का दिया रूप

नागपुर : ससुर की हत्या करवाने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि महिला ने ससुर की 300 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पने के लिए ससुर की हत्या की साजिश रची। नागपुर क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि 22 मई को बालाजी नगर में कार से कुचलने से पुरुषोत्तम पुत्तेवार की मौत हो गई थी, लेकिन जांच और इलाके के सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि यह हत्या का मामला था।

जांच के बाद टाउन प्लानिंग विभाग में सहायक निदेशक अर्चना मनीष पुत्तेवार को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। आरोपित महिला को नौ जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उसने ससुर की हत्या के लिए पुरानी कार खरीदने के लिए सह आरोपित को पैसे दिए ताकि हत्या को दुर्घटना जैसा दिखाया जा सके। जाहिर तौर पर उसका मकसद ससुर की 300 करोड़ रुपये की संपत्ति पर कब्जा करना था।

पुलिस ने सोने के आभूषण, मोबाइल फोन जब्त किए

अधिकारी ने कहा, हमने दो कार, सोने के आभूषण, मोबाइल फोन आदि जब्त कर लिए हैं। उस पर अपने पति के ड्राइवर बागड़े और दो अन्य लोगों नीरज निमजे और सचिन धार्मिक के साथ मिलकर हत्या की साजिश रचने का आरोप है। उस पर भारतीय दंड संहिता और मोटर वाहन अधिनियम के प्रविधानों के तहत हत्या और अन्य अपराधों के आरोप लगाए गए हैं।

उद्धव की नई शिवसेना को मुस्लिम मतदाताओं का साथ मिला

मुंबई : उद्धव ठाकरे की शिवसेना को मुस्लिम समाज के रूप में नया वोटर मिल गया है, जो उनकी राजनीतिक नैया को पार लगाने में उपयोगी साबित हुआ है। लोकसभा चुनाव में मुस्लिम समाज ने उद्धव सेना को वोट दिया है, इसलिए उनकी सीट निकल पाई। चुनाव नतीजे आने के बाद कहा जाने लगा है कि मुस्लिम मतदाता अब ठाकरे के साथ हो गए हैं। ऐसे में उद्धव का बीजेपी के साथ वापस आना आसान नहीं होगा, लेकिन कांग्रेस के लिए यह शुभ संकेत नहीं है। उधर, उत्तर भारतीय बीजेपी से बिदक गया है, जो बीजेपी के लिए खतरे की घंटी है। शिवसेना की पहचान कभी कट्टर हिंदुत्व वाली पार्टी के रूप में होती थी और मुस्लिम समाज इस वजह से दूरी बनाए रखता था। लेकिन अब यह समीकरण बदला है। उद्धव की नई शिवसेना को मुस्लिम मतदाताओं का साथ मिला है। यह

अरविंद सावंत को खूब मुसलमानों ने किया वोट...

दक्षिण मुंबई में उद्धव ठाकरे के सांसद अरविंद सावंत की जीत में मुस्लिम वोटरों ने बड़ी भूमिका अदा की। शिंदे सेना की उम्मीदवार यामिनी जाधव यह भ्रम पाल कर बैठी थी कि मुस्लिम उनके साथ है, लेकिन उद्धव सेना के अरविंद सावंत 52,673 मतों के अंतर से जीत गए। भायखला, मुंबा देवी के मुस्लिम मतदाताओं ने सावंत की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। मुस्लिम बहुल भायखला में सावंत को 86,883 वोट मिले, जबकि जाधव को 40,813 वोट तक ही सिमटा दिया। मतलब 46,070 वोट का सावंत और जाधव के बीच का बड़ा अंतर रहा।

उद्धव ठाकरे गुट के दावे पर अब शिवसेना का पलटवार

सीएम शिंदे बोले- 'अभी तक सही ज्योतिषी...'

महाराष्ट्र : मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (यूबीटी) पर पलटवार करते हुए कहा कि जब से उन्होंने अविभाजित शिवसेना को छोड़कर राज्य में सरकार बनाई है, विपक्ष कह रहा है कि सरकार गिर जाएगी. उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि उन्हें अभी तक सही ज्योतिषी नहीं मिला है.'' सीएम शिंदे ने कहा, जनता ने विपक्ष को नकार दिया है और उन्हें उनकी जगह दिखा दी है.

जिन लोगों ने ''बीजेपी को बाहर करो कहा था, उन्हें जनता ने सत्ता से बाहर कर दिया है.'' सीएम की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि शिवसेना के पांच से छह विधायक उद्धव ठाकरे के संपर्क में हैं.

शिवसेना (यूबीटी) एमएलसी सचिन अहीर ने कहा कि हालांकि उन्हें इस बात की कोई पुष्टि नहीं है कि शिंदे खेमे से कितने लोग उनकी पार्टी से संपर्क में आए हैं, लेकिन इस कदम को उठाने की सोच रहे लोगों की संख्या 16, 20 या 40 तक हो सकती है. उन्होंने कहा, ''क्योंकि लोगों को लगा कि अब हम सरकार में होंगे और हम चुने जाएंगे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं. इसलिए यह संख्या बड़ी हो सकती है. कई विधायकों ने कहा है कि ''विधानसभा में हमारे बारे में सोचो और हम लोकसभा में तुम्हारे बारे में सोचेंगे''. अब तक हमारे दरवाजे उनके लिए बंद थे. लेकिन सिर्फ शिंदे सेना ही नहीं, भाजपा जैसी अन्य पार्टियों के विधायक भी चिंतित हैं. भविष्य में क्या होगा, मैं नहीं कह सकता, लेकिन हमारी पार्टी वफादारों के लिए है और वफादारों को सत्ता देगी.''

कुछ दिनों पहले विधायक रोहित पवार ने दावा किया था कि अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के करीब 20 विधायक शरद पवार गुट में शामिल होने की योजना बना रहे हैं. अब उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने खुलासा किया है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खेमे के विधायक उनके संपर्क में हैं. शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि, ''विधायक मेरे संपर्क में नहीं हैं, लेकिन हमारी पार्टी के नेताओं के संपर्क में हैं. लोकसभा में हार के बाद, उन्हें (शिंदे खेमे के विधायकों को) एहसास हो गया है कि वे कहां खड़े हैं और इसलिए वे हमारे नेताओं के संपर्क में हैं.''

महाराष्ट्र में 'खेल' की आशंका?

शिवसेना का दावा- 'उद्धव गुट के दो सांसद CM एकनाथ शिंदे के संपर्क में...'

महाराष्ट्र : लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद महाराष्ट्र में अटकलों का बाजार गर्म है. कभी अजित पवार गुट के नेताओं के शरद पवार के गुट से संपर्क करने की चर्चा चलती तो कभी खबर आती है कि शरद गुट के बड़े नेता अजित गुट में शामिल हो सकते हैं. अब शिवसेना को लेकर भी ऐसी खबरें चल रही हैं. यहां तक कि एकनाथ शिंदे के गुट वाली शिवसेना के प्रवक्ता और नवनिर्वाचित सांसद नरेश महस्के ने बड़ा दावा किया है.

नरेश महस्के ने कहा, ''उद्धव ठाकरे की शिवसेना-यूबीटी से चुनकर आए दो नवनिर्वाचित सांसदों ने एकनाथ शिंदे से संपर्क किया है. वह एनडीए और शिवसेना शिंदे के साथ आना चाहते हैं . वे अपने चुनाव क्षेत्र का विकास चाहते हैं और साथ ही जिस तरह से फतवा निकाल कर चुनाव जीता, उस से वे सांसद भी नाराज हैं.'' ऐसा ही दावा पहले उद्धव ठाकरे गुट की ओर से किया जा चुका है. बताया जा रहा है कि शिंदे गुट के छह विधायक उद्धव ठाकरे के संपर्क में हैं. माना जा रहा है कि वे शिवसेना-यूबीटी के साथ जा सकते हैं. यह सारी अटकलें तब शुरू हुई हैं जब महाविकास अघाड़ी ने महाराष्ट्र की 31 सीटें जीत ली हैं. कांग्रेस ने 13, एनसीपी-एसपी ने 8 और शिवसेना-यूबीटी ने 9 सीटें जीती हैं. जबकि बीजेपी 9, एनसीपी एक और शिवसेना सात सीटें जीत पाई है. यह महाराष्ट्र में एनडीए को मिला बड़ा झटका है जिसने 2019 के लोकसभा चुनाव में 40 से ज्यादा सीटें जीती थीं. दूसरी तरफ, एनसीपी में भी हलचल तेज है.

पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल पर पृथ्वीराज चव्हाण का बड़ा बयान,

'गठबंधन की सरकार चलाना मुश्किल, अगर समस्या...'

मुंबईः कांग्रेस ने पिछले चुनाव के मुकाबले इस बार अच्छा प्रदर्शन किया है. कांग्रेस ने 99 सीटें जीती हैं और 13 सीट जीतकर यह महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी बन गई है. जीत से कांग्रेस का मनोबल काफी बढ़ा हुआ है. हालांकि देश में बीजेपी 240 सीट लाकर सिंगल लार्जेस्ट पार्टी बन गई है. दूसरी तरफ जहां कांग्रेस अपने आंकडों में हुए सुधार का जश्न मना रही है तो दूसरी तरफ बीजेपी को बहुमत का आंकड़ा ना मिलने पर उसे पीएम नरेंद्र मोदी की नैतिक हार बता रही है. ठीक यही बात महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और कांग्रेऐस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कही है.

पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा, ''सबसे बड़ी बात ये है कि बीजेपी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है जैसा कि 2014 और 2019 में मिला था. यह पीएम मोदी की नैतिक हार है. वह सत्ता में रहना चाहते हैं और पीएम बनना चाहते हैं. वह कर सकते हैं. अब उनको नेता चुना गया है. उनको शुभकामनाएं. देश की सेवा करें. हम प्रभावी विपक्ष की भूमिका निभाएंगे.''

गठबंधन की सरकार चलाना मुश्किल है - पृथ्वीराज

नीतीश कुमार कभी इंडिया गठबंधन का हिस्सा था लेकिन लोकसभा चुनाव से पहले वह एनडीए में शामिल हो गए. अब उनकी पार्टी जेडीयू केंद्र सरकार का हिस्सा होगा. इसको लेकर पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा, ''गठबंधन सरकार चलाना बहुत मुश्किल होता है. दो चुनाव में बहुमत की सरकार थी तो चलाना आसान था. गठबंधन सरकार में समस्याएं होती हैं. अगर वह (पीएम मोदी) सुलझा सकें तो अच्छी बात है. हमारी उनको शुभकामनाएं.''

शेयर मार्केट क्रैश को लेकर की जेपीसी की मांग

उधर, एग्जिट पोल के नतीजे आने के बाद शेयर बाजार में भारी तेजी आई थी. हालांकि चुनाव के नतीजे आने के बाद भारी गिरावट दर्ज की गई. इसको लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और गड़बड़ी के आरोप लगाए. इस पर पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा, ''राहुल जी ने आरोप लगाया है . हमारी मांग है कि जेपीसी का गठन किया जाए.''

रूस की नदी में डूबे सभी चार छात्रों के शव बरामद

जलगांव : रूस के अधिकारियों ने वोल्खोव नदी में डूबे सभी चार भारतीय छात्रों के शव बरामद कर लिए हैं। महाराष्ट्र सरकार के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। जलगांव के जिलाधिकारी आयुष प्रसाद ने कहा, रूसी अधिकारियों ने बताया है कि चार जून को हुई घटना के पहले दो दिनों में दो छात्रों के शव बरामद किये जाने के बाद आज सुबह दो और शव बरामद किये गए। अधिकारी ने बताया कि शवों को विमान से मुंबई लाया जा रहा है और बाद में उन्हें जलगांव जिले में छात्रों के पैतृक निवास स्थान ले जाया जाएगा। हर्षल अनंतराव देसाले, जिशान अश्पक पिंजारी, जिया फिरोज पिंजारी और मलिक गुलामगौस मोहम्मद याकूब नदी में डूब गए, जबकि एक अन्य छात्रा निशा भूपेश सोनवणे बच गई। सभी की उम्र 18 से 20 वर्ष के बीच है। वे यारोस्लाव-द-वाइज नोवगोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी में अध्ययन कर रहे थे।

विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि छात्र वोल्खोव नदी के किनारे टहल रहे थे, तभी वे पानी में प्रवेश कर गए। जिशान के पारिवार के एक सदस्य ने बताया कि वह अपने माता-पिता के साथ वीडियो कॉल पर बात कर रहा था, तभी वह और तीन अन्य डूब गए। जिशान और जिया सगे भाई-बहन थे तथा जलगांव जिले के अमलनेर के रहने वाले थे। देसाले जलगांव जिले के भड़गांव से थे।

महाराष्ट्र सरकार ने NEET परीक्षा को रद्द करने की मांग की, राज्य के छात्रों के साथ अन्याय का आरोप...

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार ने पिछले महीने हुई राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक यानी नीट-यूजी को तत्काल रद्द करने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि नतीजों में राज्य के छात्रों के साथ अन्याय हुआ है। देश के 571 शहरों के 4,750 केंद्रों पर पांच मई को नीट-यूजी की परीक्षा का आयोजन किया गया था और चार जून को इसका परिणाम जारी किया गया था, जिसके बाद अभ्यार्थियों ने परिणाम में धांधलेबाजी का आरोप लगाते हुए बताया कि 67 अभ्यर्थियों को शीर्ष रैंक के साथ 720/720 अंक मिले हैं, जिसमें हरियाणा के एक ही परीक्षा केंद्र के छह अभ्यार्थी शामिल हैं।

एनटीए ने आरोपों को खारिज किया

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने परिणामों में अनियमितता के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में किए गए बदलाव और परीक्षा केंद्रों पर समय लगने पर दिए गए ग्रेस अंक कुछ ऐसे कारण कारण हैं जिनसे छात्रों को अधिक अंक मिले हैं। महाराष्ट्र के चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने इस मुद्दे पर शुक्रवार को बात करते हुए कहा कि शायद नीट की परीक्षाएं पैसे लेकर आयोजित की गई थीं। इसके परिणाम ऐसे हैं कि महाराष्ट्र के किसी भी छात्र को राज्य के सरकारी या निजी कॉलेज में एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश नहीं मिलेगा।

खटखटाएंगे अदालत का दरवाजा

चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने कहा कि इसमें महाराष्ट्र के छात्रों के साथ अन्याय हुआ है और इसे तुरंत रद्द किया जाना चाहिए। हम राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के समक्ष यह मुद्दा उठाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर अदालत का दरवाजा खटखटाने पर भी विचार कर रही है। वहीं कांग्रेस ने भी इस मुद्दे पर सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने एक्स पर पोस्ट किया कि पहले नीट परीक्षा का पेपर लीक हुआ और अब छात्रों का आरोप है कि इसके परिणाम में भी भ्रष्टाचार हुआ है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com